भारत सरकार

उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण मंत्रालय

खाद्य और सार्वजनिक वितरण विभाग

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 257

01 दिसम्ब्र , 2015 के लिए प्रश्न

''खाद्य तेल का आयात''

257. **श्रीमती जयश्रीबेन पटेल :**

श्री दुष्यंीत चौटाला :

क्या उपभोक्ता मामले , खाद्य और सार्वजनिक वितरण मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) गत तीन वर्षों के दौरान कितनी मात्रा में तेलों का आयात किया गया और इन पर कितनी विदेशी मुद्रा व्योय हुई और इसके क्या कारण ;हैं

(ख) क्या् सरकार ने आयात कम करने और घरेलू उपलब्धहता सुनिश्चीत करने के लिए उपाय सुझाने के लिए कोई विशेष समिति गठित की है , यदि हां , तो तत्संसबंधी ब्यौ रा क्याप है और तत्संेबंधी क्या परिणाम ;रहे

(ग) क्याध सरकार के पास खाद्य तेलों का घरेलू उत्पाोदन बढ़ाने के लिए अभियान चलाने की कोई योजना है ताकि घरेलू आवश्यकता को पूरा किया जा सके ; और

(घ) यदि हां, तो तत्सं बंधी ब्यौेरा क्यार है और सरकार द्वारा इस संबंध में क्याझ कार्रवाई की गई है?

उत्तैर

उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण मंत्री

(श्री राम विलास पासवान)

(क) खाद्य तेलों का घरेलू उत्पाजदन घरेलू मांग को पूरा करने के लिए अपर्याप्तर है। इस कमी को आयात द्वारा पूरा किया जाता है। वाणिज्यि्क आसूचना और सांख्योकीय महानिदेशालय के अनुसार पिछले तीन वर्षों के दौरान खाद्य तेलों की आयातित मात्रा और इस पर खर्च हुई विदेशी मुद्रा निम्न वत है:-

वर्ष	खाद्य तेलों की मात्रा लाख टनों में	राशि (मिलियन यूएसडी)
2012-13	110.17	11265.12
2013-14	104.68	9390.00
2014-15	127.31	10621.48

(ख) जी नहीं।

(ग) और (घ) तिलहनों और खाद्य तेल के उत्पारदन को बढ़ाने के क्रम में वर्ष 2014-15 से देश में तिलहनों और आयल पाम (एनएमओओपी) पर राष्ट्री य मिशन कार्यान्वित किया जा रहा है। यह मिशन तिलहनों के स्रोत से वनस्पनति तेलों के उत्पा्दन, आयल पाम तथा वृक्षों से उत्प न्न- होने वाले तेलों (टीबीओ) के उत्पांदन को बढ़ाने पर ध्यायन देता है। एनएमओओपी तीन लघु मिशन (एमएम) अर्थात एम एम-। (तिलहन) , एम एम-।। (आयल पाम) और एम एम-।।। (टीबीओ) से बना हुआ है। इस मिशन के अंतर्गत किसानों को विभिन्न, उपकरणों/हस्त(क्षेपों के लिए सहायता प्रदान की जा रही है।

तीन मिशनों के अंतर्गत प्रमुख हस्त।क्षेपों/उपकरणों को निम्न, प्रकार से दिया गया है:-

I. लघु मिशन -। : प्रमाणित बीजों , विशेष लक्षित बीज उत्पायदन की किस्मक का वितरण, मिनि किटों, पौधों को सुरक्षित रखने वाले उपकरणों/रसायनों का वितरण , सुविकसित खेती करने के औजार, स्प्रिंखकलर सेट की आपूर्ति,ब्लाॅिक स्तार पर प्रदर्शन,प्रशिक्षण आदि।

II. लघु मिशन -।। : आयल पाम की पौधरोपण सामग्री की आपूर्ति, पौध उत्पसत्तिर की अवधि के दौरान पौधों के रख-रखाव की लागत , ड्रिप सिंचाई की स्थाापना, डीजल/इलैक्ट्रि्क पंप सेट,बोर वेल/वाटर हारवेस्टिंखग की संरचना/ आयल पाम में अंतराली फसल के लिए सामग्री की आपूर्ति, वर्मिन-कम्पोयस्टं यूनिटों का निर्माण तथा मशीनरी और औजार आदि की खरीद।

III. नई बंजर भूमि के साथ-साथ मौजूदा बंजर/निम्निकोटि की वन भूमि पर नर्सरियों और पौधशालाओं का एकीकृत विकास, पौध उत्पमत्तिं अवधि टीवीओ पौधशालाओं का रखरखाव, अंतराली फसल के लिए सहायता , अनुसंधान और विकास , संशाधित-पूर्व, संशाधित और तेल निष्कसर्षण उपकरण, बीज एकत्रीकरण, आरक्षण आदि को बढ़ावा देने के लिए टी आर आई एफईडी को समर्थन।

****